वन
महोत्सव

01 जुलाई–07 जुलाई, 2025

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक मुक्त समाज का निर्माणः एक अभियान

दिनांक 07.07.2025 को भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में **मियावाकी पद्धति** द्वारा लगभग 45 वृक्ष प्रजातियों के रोपण से स्थापित वाटिका के उद्घाटन एवं संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम मुख्य अतिथि जैव विविधता विशेषज्ञ, डॉ. विनय रंजन, कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मियावाकी वाटिका के उद्घाटन से किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. विनय रंजन ने पौधारोपित करते हुए मियावाकी पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि यह पद्धति जापानी विज्ञानी अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित की गयी है, इस वृक्षारोपण में स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित देशी प्रजातियों के पौधों को लगाया जाता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिले साथ ही प्रदूषण नियंत्रण को भी बढ़ावा मिले। आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने कहा कि इसका उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है बल्कि जनमानस को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होने कहा कि नगरी पौधारोपण हेतु मियावाकी पद्धति पर्यावरण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के लिए आदर्श सिद्ध होगा। इसी क्रम में उन्होने वृक्षों के संवर्धन और देख–रेख की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। आयोजित कार्यक्रम में वृहद् वृक्षारोपण के साथ–साथ पौधों की निगरानी और संरक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कहा कि इस पहल से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरा–भरा पर्यावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रयागराज केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ऑकलन के अनुसार नगर वन के रूप में विकसित वन से जैव विविधता में लगभग दो गुना बढ़ोत्तरी आया है। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी क्रमशः डॉ. अनीता तोमर, कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता के साथ धर्मेन्द्र कुमार के साथ बीएसआई के डॉ. ओ.पी. मौर्या, संजय मिश्रा एवं लक्ष्मण कुमार तथा विभिन्न शोधार्थी आदि द्वारा एक–एक पौधा रोपित किया गया।

विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय परिसर के अन्तर्गत दिनांक 05.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस–2025 अभियान 05.07.2025 तक चलाया गया। 05.07.2025 पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्याल के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने मुख्य अतिथि डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज का स्वागत करते हुए कार्यक्रम विषय पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. तोमर ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी के योगदान का आह्वान किया। उन्होने प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण हेतु विभिन्न तरीके भी साझा किए। नगर के विभिन्न विद्यालयों के लिए **"प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ"** विषय पर आधारित निबन्ध, चित्रकला, भाषण आदि प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें सफल छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय परिसर में 151 औषधीय पौधे रोपित किए गए। बसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र बसेरा द्वारा दिनांक 05.06.2025 से 05.07.2025 तक विश्व पर्यावरण दिवस–2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गांवों में वृहद वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया।

मियावाकी वृक्षारोपण उद्घाटन

Garden established by planting about 45 species

SANYAM BHARAT

Prayagraj: As an important initiative towards environmental conservation, an inauguration and promotion program of the garden established by planting about 45 species by Miyawaki method was organized at the Research Nursery of ICFRE. The program was inaugurated by the Chief Guest Biodiversity Expert, Dr. Vinay Ranjan, Office Head, Botanical Survey of India, Central Regional Center, Prayagraj by inaugurating the Miyawaki Garden. Center Head Dr. Sanjay Singh welcomed the Chief Guest and Special Guests. The Chief Guest, while planting the sapling, threw light on the Miyawaki method. He said that this method has been developed by Japanese botanist Akira Miyawaki, in this plantation, plants of selected native species are planted according to the local climate, which promotes biodiversity as well as pollution control. In the organized program, Center Head Dr. Sanjay Singh said that the objective of the program is not only to increase greenery but also to make the people aware about the environment. He said that the Miyawaki method for urban plantation will prove to be ideal for Uttar Pradesh in the field of environment. In the same sequence, he emphasized on the need for promotion and care of trees, so that the planted saplings can grow safely. In the organized program, along with large tree plantation, arrangements for monitoring and protection of plants were also ensured. Program coordinator and senior scientist Alok Yadav said that with this initiative an important step has been taken towards providing clean and green environment to the coming generations. According to the assessment done by the scientists of Prayagraj Center, the forest developed as a city forest has increased biodiversity almost two times. In the program, the officers and employees of the Center, Dr. Anita Tomar, Kumud Dubey, Dr. Anubha Srivastava, Ratan Gupta along with Dharmendra Kumar along with BSI's Dr. O.P. Maurya, Sanjay Mishra and Laxman Kumar and various researchers etc. planted one sapling each.

Garden established by planting about 45 species

Prayagraj: As an important initiative towards environmental conservation, an inauguration and promotion program of the garden established by planting about 45 species by Miyawaki method was organized at the Research Nursery of ICFRE. The program was inaugurated by the Chief Guest Biodiversity Expert, Dr. Vinay Ranjan, Office Head, Botanical Survey of India, Central Regional Center, Prayagraj by inaugurating the Miyawaki Garden. Center Head Dr. Sanjay Singh welcomed the Chief Guest and Special Guests. The Chief Guest, while planting the sapling, threw light on the Miyawaki method. He said that this method has been developed by Japanese botanist Akira Miyawaki, in this plantation, plants of selected native species are planted according to the local climate, which promotes biodiversity as well as pollution control. In the organized program, Center Head Dr. Sanjay Singh said that the objective of the program is not only to increase greenery but also to make the people aware about the environment.

He said that the Miyawaki method for urban plantation will prove to be ideal for Uttar Pradesh in the field of environment. In the same sequence, he emphasized on the need for promotion and care of trees, so that the planted saplings can grow safely. In the organized program, along with large tree plantation, arrangements for monitoring and protection of plants were also ensured. Program coordinator and senior scientist Alok Yadav said that with this initiative an important step has been taken towards providing clean and green environment to the coming generations.

Garden established by planting about 45 species

Staff Reporter

Prayagraj: As an important initiative towards environmental conservation, an inauguration and promotion program of the garden established by planting about 45 species by Miyawaki method was organized at the Research Nursery of ICFRE. The program was inaugurated by the Chief Guest Biodiversity Expert, Dr. Vinay Ranjan, Office Head, Botanical Survey of India, Central Regional Center, Prayagraj by inaugurating the Miyawaki Garden. Center Head Dr. Sanjay Singh welcomed the Chief Guest and Special Guests. The Chief Guest, while planting the sapling, threw light on the Miyawaki method. He said that this method has been developed by Japanese botanist Akira Miyawaki, in this plantation, plants of selected native species are planted according to the local climate, which promotes biodiversity as well as pollution control. In the organized program, Center Head Dr. Sanjay Singh said that the objective of the program is not only to increase greenery but also to make the people aware about the environment. He said that the Miyawaki method for urban plantation will prove to be ideal for Uttar Pradesh in the field of environment. In the same sequence, he emphasized on the need for promotion and care of trees, so that the planted saplings can grow safely. In the organized program, along with large tree plantation,

arrangements for monitoring and protection of plants were also ensured. Program coordinator and senior scientist Alok Yadav said that with this initiative an important step has been taken towards providing clean and green environment to the coming generations. According to the assessment done by the scientists of Prayagraj Center, the forest developed as a city forest has increased biodiversity almost two times. In the program, the officers and employees of the Center, Dr. Anita Tomar, Kumud Dubey, Dr. Anubha Srivastava, Ratan Gupta along with Dharmendra Kumar along with BSI's Dr. O.P. Maurya, Sanjay Mishra and Laxman Kumar and various researchers etc. planted one sapling each.

मियावाकी तकनीक जैव विविधता के लिए उपयोगी

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से मियावाकी वाटिका का शुभारंभ किया गया।

प्रयागराज, संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से सोमवार को अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में मियावाकी तकनीक की वाटिका का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के डॉ. विनय रंजन रहे।

केंद्र की वाटिका में मियावाकी पद्धति से 45 प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह पद्धति जापानी वनस्पति विज्ञानी अकीरा मियावाकी की ओर से विकसित की गई है। इसके तहत स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित देसी प्रजातियों के पौधों को लगाया जाता है। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वाटिका का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि मियावाकी पद्धति से किया गया पौधरोपण पर्यावरण के लाभकारी होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कहा कि इस पहल से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने में मदद मिलेगी। जैव विविधता की दृष्टि से इससे यह काफी उपयोगी है। इस मौके पर डॉ. अनीता तोमर, कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. ओपी मौर्य, संजय मिश्र, लक्ष्मण कुमार मौजूद रहे।

मियावाकी तकनीक जैव विविधता के लिए उपयोगी

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से मियावाकी वाटिका का शुभारंभ किया गया।

प्रयागराज, संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से सोमवार को अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में मियावाकी तकनीक की वाटिका का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के डॉ. विनय रंजन रहे।

केंद्र की वाटिका में मियावाकी पद्धति से 45 प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह पद्धति जापानी वनस्पति विज्ञानी अकीरा मियावाकी की ओर से विकसित की गई है। इसके तहत स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित देसी प्रजातियों के पौधों को लगाया जाता है। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि वाटिका का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने कहा कि मियावाकी पद्धति से किया गया पौधरोपण पर्यावरण के लाभकारी होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कहा कि इस पहल से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने में मदद मिलेगी। जैव विविधता की दृष्टि से इससे यह काफी उपयोगी है। इस मौके पर डॉ. अनीता तोमर, कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. ओपी मौर्य, संजय मिश्र, लक्ष्मण कुमार मौजूद रहे।

भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की अनुसन्धान की वाटिका के उद्घाटन एवं संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में मियावाकी पद्धति द्वारा लगभग 45 प्रजातियों के रोपण से स्थापित वाटिका के उद्घाटन एवं संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जैव विविधता विशेषज्ञ, डॉ. विनय रंजन, कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मियावाकी वाटिका के उद्घाटन से किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने पौधारोपित करते हुए मियावाकी पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि यह पद्धति जापानी वनस्पति विज्ञानी अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित की गयी है, इस वृक्षारोपण में स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित देशी प्रजातियों के पौधों को लगाया जाता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिले साथ ही प्रदूषण नियंत्रण को भी बढ़ावा मिले।आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है बल्कि जनमानस को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है।

उन्होने कहा कि नगरी पौधारोपण हेतु मियावाकी पद्धति पर्यावरण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के लिए आदर्श सिद्ध होगा। इसी क्रम में उन्होने वृक्षों के संवर्धन और देख-रेख की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। आयोजित कार्यक्रम में वृहद् वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की निगरानी और संरक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कहा कि इस पहल से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरा-भरा पर्यावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रयागराज केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ऑकलन के अनुसार नगर वन के रूप में विकसित वन से जैव विविधता में लगभग दो गुना बढ़ोत्तरी आया है। कार्यक्रम में केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारी क्रमशः डॉ. अनीता तोमर, कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता के साथ धर्मेन्द्र कुमार के साथ बीएसआई के डॉ. ओ.पी. मौर्या, संजय मिश्रा एवं लक्ष्मण कुमार तथा विभिन्न शोधार्थी आदि द्वारा एक-एक पौधा रोपित किया गया।

पडिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मियावाकी पद्धति द्वारा 45 प्रजातियों के रोपण से स्थापित वाटिका के उद्घाटन एवं संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक अयोध्या टाइम्स प्रयागराज ब्यूरो बृजेश केसरवानी, प्रयागराज। आज दिनांक 07.07.2025 को भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में मियावाकी पद्धति द्वारा लगभग 45 प्रजातियों के रोपण से स्थापित वाटिका के उद्घाटन एवं संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जैव विविधता विशेषज्ञ, डॉ. विनय रंजन, कार्यालय प्रमुख, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज द्वारा मियावाकी वाटिका के उद्घाटन से किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने पौधारोपित करते हुए मियावाकी पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि यह पद्धति जापानी वनस्पति विज्ञानी अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित की गयी है, इस वृक्षारोपण में स्थानीय जलवायु के अनुसार चयनित देशी प्रजातियों के पौधों को लगाया जाता है, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिले साथ ही प्रदूषण नियंत्रण को भी बढ़ावा मिले।आयोजित कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है बल्कि जनमानस को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होने कहा कि नगरी पौधारोपण हेतु मियावाकी पद्धति पर्यावरण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के लिए आदर्श सिद्ध होगा। इसी क्रम में उन्होने वृक्षों के संवर्धन और देख–रेख की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। आयोजित कार्यक्रम में वृहद् वृक्षारोपण के साथ–साथ पौधों की निगरानी और संरक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कहा कि इस पहल से आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरा–भरा पर्यावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रयागराज केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए ऑकलन के अनुसार नगर वन के रूप में विकसित वन से जैव विविधता में लगभग दो गुना बढ़ोत्तरी आया है। कार्यक्रम में केन्द्र

के अधिकारी एवं कर्मचारी क्रमशः डॉ. अनीता तोमर, कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता के साथ धर्मेन्द्र कुमार के साथ बीएसआई के डॉ. ओ.पी. मौर्या, संजय मिश्रा एवं लक्ष्मण कुमार तथा विभिन्न शोधार्थी आदि द्वारा एक–एक पौधा रोपित किया गया।

विद्यालय परिसर वृक्षारोपण

On the Occasion of
WORLD
वसेरा VASERA

विकास विद्यालय ईश्वर शरण आश्रम
प्रयागराज
वसेरा VASERA

WORLD

पौधरोपण से हरियाली संभव: तोमर

■ पर्यावरण प्रहरी सम्मान से विशिष्ट लोगों को नवाजा गया

■ निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई

प्रयागराज, संवाददाता। सामाजिक संस्था विश्व युवक केंद्र, वसेरा व विकास विद्यालय सलोरी की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के तहत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पारि-पुर्नस्थापन केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कहा कि पीपल, बरगद और नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई ऑक्साइड अवशोषित करते हैं। पौधरोपण से ही प्रकृति की हरियाली संभव है। इस मौके पर पर्यावरण बचाओ विषयक निबंध, चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डॉ. योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, सांवरिया संस्थान के वेदानन्द वेद, आलम, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय को पर्यावरण प्रहरी सम्मान-2025 से सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर में 151 औषधीय पौधे लगाए गए। स्वागत सत्यप्रकाश तिवारी, सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने किया।

पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा0 अनीता तोमर

विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलों में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहें। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा0 अनीता तोमर

विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलों में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पवन प्रभात (हिन्दी दैनिक) प्रादेशिक/ जनपद

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड- डा० अनीता तोमर विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

पवन प्रभात प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है।

उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है।

यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये।

प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालिथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहें।

एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया।

सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

---

3 PRAYAGRAJ, SUNDAY, 06 JULY 2025 UTTAR PRADESH

Peepal, Banyan and Neem trees absorb more carbon dioxide : Dr. Anita Tomar

"Vishwa Yuvak Kendra launched Plastic Free India Campaign across the country"

Prayagraj. Peepal, Banyan and Neem absorb the most carbon dioxide. They made us realize the true concept of life by imagining a treeless earth. Free oxygen is obtained from a green environment. Nature can be made green by planting trees in pots in cities. This idea was expressed by Dr. Anita Tomar, Scientist Eco-Rehabilitation Center Prayagraj as the chief guest on the occasion of the World Environment Day 2025 campaign organized at Vikas Vidyalaya under the joint aegis of Vishwa Yuvak Kendra, Vasera and Vikas Vidyalaya. She told that more plastic waste was removed from the fair during the Maha Kumbh event. Everyone should contribute to building a plastic-free society. People should take cloth or jute bags before going to the market and ask the shopkeeper not to give goods in polythene bags. Prayagraj can be made plastic-free by everyone joining.

On this occasion, the chief guest Dr. Tomar awarded certificates to the successful students of essay, painting and speech competitions organized in various schools on the topic of Remove Plastic, Save Environment. He awarded the Environment Prahari Award to Dr. Yogesh Chandra, Dilip Kumar Awasthi, Pratibha Singh, Satyaprakash Tiwari, Vedanand, Alam Bhai, Rajendra Tiwari, Umashankar Gupta, Abbas Sabina, Pawanesh Upadhyay, Rajendra Tiwari Dukan ji, Prasanna ghosh etc. for their contribution in the field of environmental protection.

First of all, Vasera's secretary Devendra Kumar Sharma told that Vishwa Yuvak Kendra and Varera run a World Environment Day 2025 campaign from 5 June to 5 July and conducted tree plantation and plastic free Prayagraj awareness campaign in various schools and villages of the district. School Principal Satya Prakash Tiwari welcomed everyone. 151 medicinal plants were planted in the school campus.

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा० अनीता तोमर

विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समायन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये।

प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड डा० अनीता तोमर विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

मुख्य संवाददाता दबीर अब्बास

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समायन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहें। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, वेदानन्द वेद, आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

र. के.
शवाहा

पीपल, बरगद और नीम अवशोषित करते हैं सर्वाधिक कार्बन डाइऑक्साइड

विकास विद्यालय में विजेताओं को सम्मानित किया गया। स्रोत : विद्यालय

प्रयागराज। विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस अभियान में पारि पुनर्स्थापन केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कहा, पीपल, बरगद और नीम ऐसे वृक्ष हैं जो सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबंध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। बसेरा के सचिव देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया, पांच जून से पांच जुलाई तक अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में 151 औषधीय पौधे लगाए गए। संवाद

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, रविवार, 06 जुलाई, 2025

पीपल, बरगद, अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा० अनीता

नैनी, प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, बसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भ आयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, चिदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम बसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा बसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पीपल, बरगद और नीम अवशोषित करते हैं सर्वाधिक कार्बन डाइऑक्साइड

विकास विद्यालय में विजेताओं को सम्मानित किया गया। स्रोत : विद्यालय

प्रयागराज। विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस अभियान में पारि पुनर्स्थापन केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कहा, पीपल, बरगद और नीम ऐसे वृक्ष हैं जो सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबंध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। बसेरा के सचिव देवेंद्र कुमार शर्मा ने बताया, पांच जून से पांच जुलाई तक अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में 151 औषधीय पौधे लगाए गए। संवाद

पीपल, बरगद, नीम ज्यादा अवशोषित करते है, कार्बन डाई आक्साइड : डा० अनीता तोमर

स्वतंत्र प्रयाग

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना

करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, बसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भ आयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान, प्रसन्न घोष, चिदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। बसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा बसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा० अनीता तोमर , विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

जुल्म आजतक पिंटू सिंह

प्रयागराज । पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समायन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डॉ. अनीता तोमर

विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा0 अनीता तोमर

'विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान'

उजाला शिखर ब्यूरो

प्रयागराज। पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया। हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलों में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा0 अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समायन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये। प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा0 तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण

संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा0 योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया। सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।